

युव प्रतापसिंह व राजवीर युव प्रताप सिंह (सही) वरिष्ठ
 के नाम के लक्ष्मी मोरि प्रभुसिंहाजीना ककारत करपा।
 वकील श्री की द्वाारा पूर्वक बहन इन्द्राणी
 गेइतपा पणवली व पणवली के प्रभुत दालवेजत
 का गहनता से कथनकेपा गया। उपरोक्त बिकेकत
 के आकाए प्रती की प्रकरी पर की बह प्रभावलय
 लीकर योग्य पाता है।

कोदेश

कम: प्रती की प्रकरी पर लीकार योग्य पाये
 जाने की लक्ष्मी के हाल कापी व सारा सं० १७१/०.२१
 १७२/०.३३ ई कर का के ग्राममातका तस्मील दुबस्य
 जिला अलवर (राज०) के हाल राजा वरिष्ठ में
 कोकेत राजवीर युव प्रतापसिंह नामक व कलम
 गिरेजान के कोदेश दिये जाते है तथा राजवीर युव प्रतापसिंह
 के कजाप राजभुका युव प्रतापसिंह नामक कोकेत
 हाल रिफाई के किये जाने के कोदेश दिये जाते है। उभराभुका
 ही कलम दारा किये जावे। कान हेतु तहसील दालवेजत
 का कथन करी है। पणवली के दाल प्रकरी है निम्न
 के कथन है। काउ लक्ष्मी ल जगदिला लेव
 मद्यार है। युनादा गया।

२५६

28.10.2020

उपखण्डाधिकारी
मण्डावर (अलवर) राज०